

5-4  
21

पसावली पेस हूँ। वकील वारी हाफिट। वारी न  
आवेडन बाबर। वाड विज्ञा करगे हेतु पेस कर गियेडन  
क्रिया कि अपेक्ष्य आवाज उकल को वारी जागे मही  
यलाग थाहा है इमलिह वाड को विज्ञा करगे की  
अनुमति पदान की बाके। पसावली के उपलक्ष्य दासिगुप  
व आवेडन का अपलोकन क्रिया गाय। वारी का आवेडन  
स्वीकार क्रिया जाग है तसा वाड को विज्ञा क्रिया  
जाग है पसावली फलल शुकाट होकर नखर से  
का होकर दाखिल फलल है

गणपत अधिकारी दातारामगढ